on the company, but, on the same subject, they can lodge the FIR against such companies and the responsible Directors of those companies. ...(*Interruptions*)... My question is, whether the Government is willing to lodge an FIR and take criminal action against them. ...(*Interruptions*)...

श्री दिनशा जे॰ पटेल: सभापति जी, मैंने पहले ही कहा है कि यह प्रश्न, इस सवाल से संबंधित नहीं है, तो भी इसके लिए कोई भी complaint भेजी जाएगी, तो उसके खिलाफ तलाशी करके क्या हो सकता है, यह करने की कोशिश हमारी सरकार और हमारा डिपार्टमेंट जरूर करेगा।

माननीय सदस्य: आप तलाशी करते-करते खो जाओगे ...(**व्यवधान**)...

Buddhist heritage centre in Orissa

*503. SHRI RUDRA NARAYAN PANY:††
SHRI B.J. PANDA:

Will the Minister of TOURISM be pleased to state:

(a) whether Government of Sri Lanka has asked its Indian counterpart to develop Buddhist sites in the Southern sector, *i.e.* Andhra Pradesh and Orissa, to facilitate Buddhist tourists to visit such heritage centres;

(b) if so, the details thereof; and

(c) what is the action plan of Government to develop such Buddhist heritage centres in Orissa to promote Buddhist tourism in that State?

†THE MINISTER OF TOURISM (SHRIMATI AMBIKA SONI): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) Ministry of Tourism extends Central Financial Assistance, under the centrally sponsored scheme of Product/Infrastructure Development for Destinations and Circuits to the State Governments/Union Territories for tourism projects identified and prioritized in consultation with them for the improvement of infrastructure at important tourism destinations and circuits. Ministry of Tourism has sanctioned Rs. 740.66 Lakh, for the Development of facilities at Lalitgiri, Ratnagiri, Udaigiri and Langudi Circuit in Orissa. In addition to the above, Rs. 488.51 Lakh, was also sanctioned for the Development of Peace Park and Amphitheatre at Dhauli in Orissa.

Ministry of Tourism promotes diverse tourism products of India including Buddhist sites in Orissa through its Media Campaigns, Website, Production and Distribution of Publicity material and dissemination of information through India Tourism Offices in India and abroad.

श्री रूद्रनारायण पाणि: सभापति जी, भले ही हमारे गरीब राज्य उड़ीसा के साथ हर मामले में भेदभाव होता है, लेकिन दुनिया में शांति स्थापना करने में उड़ीसा का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उड़ीसा की पावन धरती पर "चंडाशोक", "धर्मा

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri **Rudra Narayan Pany**.

अशोक'' बने थे और ऐसा लगता है कि Buddhism का प्रसार उसी दिन से हुआ। दुनिया में जो वर्तमान तनाव है, हमारे एशिया में जो गहरा तनाव है ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: पाणि जी, आप सवाल पूछ लीजिए।

श्री रूद्रनारायण पाणि: सभापति जी, चीन का अरुणाचल के प्रति जो रवैया है, इसके मद्देनजर Buddhism ही इस तनाव को दूर कर सकता है, ऐसा सोचकर चीन, जापान, थाईलैंड, ब्रह्मदेश, श्रीलंका आदि देशों से Buddhist Tourists को हमारे मुल्क में आकर्षित करने के लिए सरकार क्या उपाय कर रही है?

श्रीमती अम्बिका सोनी: सभापति जी, यह बात सही है कि Buddhism-related tourism, भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। केन्द्रीय मंत्रालय, हर प्रदेश को उनकी राय, उनके सुझाव और जो priorities वे तय करते हैं, उनके मुताबिक आर्थिक सहायता देता है और हम लोग यह प्रयास करते हैं कि जो भी कार्यक्रम, जो भी प्रोजेक्ट्स अलग-अलग स्टेट्स की तरफ से आएं, उनके अलावा केन्द्रीय मंत्रालय कुछ विशेष products को popularize and project करता है और हमने बहुत कामयाबी से "Walk with the Buddha" — इस विशेष कार्यक्रम को प्रोजेक्ट किया है। South East Asian मुल्कों के साथ, SAARC संगठन के जरिए, BIMSTEC, SASEC मुल्कों के जरिए हमने पूरे प्रयास किए हैं कि न सिर्फ हमारे यहां ये स्थल पर्यटकों के लिए और सुविधाजनक बनाए जाएं, बल्कि connectivity के मामले को भी देखा जाए, रहने के लिए budget accommodation भी तैयार की जाएं। हमने इन तमाम मुल्कों में, जो हमारी main source markets हैं, इस तरह के विशेष बुद्धिस्ट रिलेटेड टूरिज्म के लिए कोशिश की है कि वहां अपने कुछ कार्यक्रम लगाएं, जिससे वहां के लिए लोगों में हमारे Buddhism से related स्थान और लोकप्रिय होते जाएं।

श्री रूद्रनारायण पाणि: सभापति महोदय, हम सब जानते हैं कि संविधान के निर्माता बाबा साहेब अम्बेडकर क्यों बौद्ध धर्म ग्रहण किए थे। मेरा आपके माध्यम से सरकार से यह प्रश्न है कि देश भर में भगवान बुद्ध से संबंधित जितने स्थल हैं, जितने स्मृति स्थल हैं, उन स्थलों का भरपूर विकास करने के लिए सरकार क्या उपाय सोचती है?

श्रीमती अम्बिका सोनी: सर, मैंने अभी जवाब दिया था, चूंकि हम लोग केन्द्रीय मंत्रालय से सीधे implementation में नहीं लगते हैं, संविधान के तहत ये काम प्रदेशों के जरिए किए जाते हैं। सन् 2004 में BIMSTEC मुल्कों का एक सम्मेलन हुआ था, उसमें यह फैसला लिया गया था कि हम Buddhist sites की एक directory बनाएंगे और उसका प्रकाशन करेंगे, जो हमने किया है। हम लोग यह कोशिश कर रहे हैं कि विशेष ट्रेन चालू की जाए। हाल में हमने रेलवे मंत्रालय के साथ एक Buddhism related Train सात दिन के लिए चालू की, जो रेल मंत्री ने हमारे साथ चालू की। वह धीरे-धीरे काफी लोकप्रियता हासिल कर रही है और हमने उड़ीसा, आन्ध्र प्रदेश, आदि को भी ऐसे बहुत-से projects के लिए करोड़ों रुपए उन सरकारों को दिए हैं, जिससे Buddhism related circuit को और सुविधाजनक बनाया जाए। अगर सांसद को किसी खास प्रोजेक्ट से संबंधित कुछ और विशेष जानकारी की जरूरत है तो इस प्रश्न काल के बाद मैं उनको दे सकती हूं।

SHRI B.J. PANDA: Sir, while thanking the hon. Minister for these initial steps and investments in the Buddhist sites in Orissa, I would like to bring to your attention the many reports in national and international media which talk of the Buddhist Circuit in India. Strangely, there is hardly any mention of Orissa. Sir, this is strange because Emperor Ashoka converted to Buddhism at Dhauligiri outside Bhubaneshwar and that became the launch pad of Buddhism itself. So, my question to the hon. Minister is, what part of the Budget in promoting tourism in India goes towards promoting the Buddhism Circuit and what part of that goes towards highlighting Orissa's central role in this circuit.

SHRIMATI AMBIKA SONI: Sir, as far as Project Orissa is concerned, at the request of the State Government, we gave them almost Rs. 5 crores for the development of a peace park and an amphitheatre at Dhauli, where Ashoka's change of heart took place after the Kalinga War. We have also given another seven crore, forty lakh and sixty six thousand rupees to Orissa for the development of an Integrated Buddhist Circuit, which would combine Lalitgiri, Ratnagiri, Udaigiri and Langudi. Inspite of these grants specially for the Buddhist

Circuit, we have taken up, at the request of the Government of Orissa, along with the Ministry of Shipping, their proposal to link up some of the Buddhist sites with even Bali in Indonesia, and that is only possible once the Ministry of Shipping takes (*Interruptions*)...

SHRI B.J. PANDA: Sir, my question was, what is the total budget and how much of it, what percentage, is going to Orissa?

SHRIMATI AMBIKA SONI: Sir, the total budget for tourism development, towards infrastructure development, for destinations and circuits was something around Rs. 519 crores for the year 2007-08; this is for the whole country. If you wish to know what we gave specifically to Orissa in the Tenth Five Year Plan, it was Rs. 72 crores and 35 lakhs.

श्री रामचन्द्र खूंटिआ: सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं, चूंकि अभी जो 740.66 लाख रुपए और 488.51 लाख रुपए दिया गया है, मगर इससे पहले बौद्ध स्तूप, ललितगिरी, उदयगिरी और रत्नागिरी, के लिए कितना पैसा दिया गया था and whether it has been utilised. मैं यह जानना चाहता हूं कि पिछले दस साल में ललितगिरी, उदयगिरी, रत्नागिरी और उड़ीसा टूरिज्म को डेवलप करने के लिए कितना पैसा दिया गया था और उसमें से कितने का utilisation हुआ है?

श्रीमती अम्बिका सोनी: सर, मैंने अभी बताया था कि Buddhist circuits जो ललितगिरी, रत्नागिरी, उदयगिरी, लालगुडी के लिए है, हमने एक बार 7 करोड़ 40 लाख छियासठ हजार रुपया इस प्रोजैक्ट के लिए दिया था, जो मुकम्मल हो चुका है। जैसा अभी मैंने आपको बताया कि दसवीं पंचवर्षीय योजना में हमने उड़ीसा को सैंक्शन किया है 72 करोड़ 35 लाख, इसमें से 27 करोड़ 96 लाख के करीब अभी तक ये खर्च कर चुके हैं। तो 12 प्रोजैक्ट्स के लिए 2007-08 में 23 करोड़ 76 लाख रुपया दिया है।

श्री बनवारी लाल कंछल: सर, मैं माननीय मंत्री जी से केवल दो छोटे-छोटे सवाल पूछना चाहता हूं।

श्री सभापति: एक सवाल प्लीज... केवल एक क्वेश्चन पूछें।

श्री बनवारी लाल कंछल: ठीक है सर, एक सवाल ही पूछता हूं। माननीय मंत्री जी यह बताएं कि हमारे उत्तर प्रदेश में तीन बौद्धिक क्षेत्र हैं, जहां भगवान बुद्ध पैदा हुए थे — सिद्धार्थ नगर, कुशी नगर और कसया — वहां पर रेल की कोई व्यवस्था नहीं है और दूसरा यह कि शिव मंदिर, 12 ज्योतिर्लिंग, 9 उपज्योतिर्लिंग और 9,20,742 शिव मंदिर पूरे हिंदुस्तान में हैं, उनके विकास के लिए आपने कितना बजट आवंटित किया है?

श्रीमती अम्बिका सोनी: यह इस प्रश्न से संबंधित नहीं है। उत्तर प्रदेश के लिए मैं बता सकती हूं कि Buddhist circuits के लिए हमने पिछले पांच सालों में कितना दिया है और दसवीं पंचवर्षीय योजना में मुकम्मल तौर पर उत्तर प्रदेश को कितना दिया गया, लेकिन अगर किसी विशेष मंदिर के बारे में आप जानना चाहते हैं, तो यह जानकारी मुझे हासिल करनी पड़ेगी, क्योंकि यह इस प्रश्न से संबंधित नहीं है। अगर आप उत्तर प्रदेश के लिए दसवीं पंचवर्षीय योजना में क्या दिया गया है, यह जानना चाहते हैं, तो वह मैं आपको दे सकती हूं। Rupees ninety five crores and eighty nine lakhs were sanctioned for Uttar Pradesh in the Tenth Five Year Plan.

श्री बनवारी लाल कंछल: शिव मंदिरों के लिए कितना दिया है?

श्रीमती अम्बिका सोनी: एक-एक प्रोजैक्ट के लिए मैं अभी नहीं बता सकती। शिव मंदिरों का मैं आपको बाद में जरूर बता दूंगी।

डा. मुरली मनोहर जोशी: सभापति जी, Buddhism ने सारे विश्व में शांति के लिए बहुत प्रयास किया है। भारतवर्ष में केवल महात्मा बुद्ध के जन्म से संबंधित स्थान ही नहीं हैं, लेकिन बौद्ध शिक्षाओं से संबंधित भी बहुत से स्थान हैं। नालन्दा विश्वविद्यालय का पुनर्निर्माण हो रहा है, उसमें सरकार क्या करेगी? उसी के पास विक्रमशिला विश्वविद्यालय बहुत पुराना है, क्या सरकार उस पर भी कुछ सोचेगी? इसी तरह उत्तर प्रदेश में सारनाथ में एक बहुत महत्वपूर्ण स्थान है बनारस में, जहां बौद्ध शिक्षा आज भी चल रही है, उसके विकास के लिए सरकार क्या करेगी? साथ ही मैं यह जानना

चाहूंगा ...(व्यवधान)... एक ही सवाल है। साथ ही मैं यह भी जानना चाहूंगा कि क्या सरकार के पास कोई ऐसा प्रकल्प है, ऐसा प्रोजैक्ट है कि भारतवर्ष के बौद्ध सन्यासियों ने दुनिया भर में क्या किया, उसकी जानकारी दुनिया भर के लोगों को आकर मिल सके और भारत के बौद्ध लोगों ने विश्व शांति के लिए क्या प्रसास किया, उसकी जानकारी भी उस केन्द्र में मिल सके और आज के तनावों को, the world conflicts, उनको दूर करने में बौद्ध धर्म की क्या उपयोगिता हो सकती है, उसको भी लोग देख सकें, तो वह भी टूरिज्म का बहुत बड़ा आकर्षण होगा और देश के साथ-साथ विश्व की बड़ी भारी सेवा होगी।

MR. CHAIRMAN: I think, that would be an appropriate question to the President of the Council for Cultural Relations.

SHRIMATI AMBIKA SONI: Either that, Sir, or the HRD Ministry. There is no doubt that the Nalanda University is going to come up as an international University. But, that is being looked after by the HRD Ministry. In fact, all what the hon. Member has mentioned, does not really concern directly with the Toursm Ministry. But, I would like to inform him the small part we are playing is that the Ministry of Tourism last year sanctioned a sum of rupees fifty crores for upgradation of Varanasi, Sarnath for tourist purposes only.

MR. CHAIRMAN: Question No. 504. ...(*Interruptions*)...

श्री तरलोचन सिंह: सर, मेरा भी एक छोटा सा ...(व्यवधान)...

MR. CHAIRMAN: Please, Mr. Tarlochan. ...(*Interruptions*)... We have had three supplementary questions.

Role of private companies in Civil Aviation

*504. PROF. P.J. KURIEN: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether the expansion of Metro Airports has been entrusted to private companies;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether ground handling and ensuring security at these airports have also been entrusted to them; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION (SHRI PRAFUL PATEL): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) and (b) Airports Authority of India (AAI) has entered into two separate Operation, Management and Development Agreement (OMDA) with the Joint Venture Companies (JVCs) namely M/s Mumbai International Airport Pvt. Ltd. (MIAL) and M/s Delhi International Airport Private Limited (DIAL) for modernisation of CSI airport at Mumbai and IGI airport at Delhi respectively. However, upgradation at Chennai and Kolkata airports is being carried out by AAI.

(c) and (d) As per new Ground Handling Policy effective from 1.1.2009, at the airports of Delhi, Mumbai, Chennai, Kolkata, Bangalore and Hyderabad, the agencies authorized for undertaking ground handling are: (i) the airport operator itself or its joint venture, (ii) subsidiary Companies of the National Carrier (National Aviation Company of India Limited) or their joint venture, (iii) an agency selected by the airport operator through competitive bidding process. Government of India is responsible for providing security at these airports.